विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

रूपम कुमारी, वर्ग-दशम्. विषय-हिन्दी

दिनांक-२२/७/२०

N.C.E.R.T syllabus

अभ्यास-सामग्री

बच्चों, आज की कक्षा में भी हम अभ्यास-सामग्री को लेकर उपस्थित हैं जो पुनरावृत्ति की तरह है । हम आज काव्य खंड -पाठ-१एवं२. की पुनरावृत्ति करेंगे -:

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दें -

उधौ , तुम हो अति बड़भागी ।

अपरस रहत प्रेम तगा तैं ,नाहिन मन अनुरागी ।

पुरइन पात रहत जल भीतर ,का रस देह न दागी ।

ज्यों जल माह तेल की गागरी , बूँद न ताको लागी ।

प्रीति-नदी में पाँव न बौरयौ , दृष्टि न रूप परागी ।

सूरदास अबला हम भोरी ,गुर चाची ज्यों पागी ।

लघु उत्तरीय प्रश्न :

- ***कवि और कविता का नाम लिखें।***
- ***बड़भागी शब्द का अर्थ बताएँ ।.***
- ***उद्धव के -व्यवहार की तुलना किन-किन चीजों से की गयी है ?***
- ***पद से संबंधित किसी एक अलंकार का नाम लिखें ।***

- ***अबला किसे कहा गया है ?***
-

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :

राम -लक्ष्मण-परशुराम संवाद में परशुराम के क्रोध का कारण था –

- ***राम-सीता स्वयंवर***
- ***, धनुष का टूटना***
- ***,लक्ष्मण का साथ होना ,***
- ***विश्वामित्र***
-

राम–लक्ष्मण परशुराम संवाद को कौन-कौन से छंद में लिखा गया है –

- ***पद एवं चौपाई.***
- ***दोहा एवं चौपाई***
- ***सोरठा एवं सवैये***

- ***कवित्त एवं अन्य***

राम -लक्ष्मण-परशुराम संवाद की भाषा है

-
- ***-अवधी***
- ***फारसी***
- ***ब्रजभाषा***
- ***अंगिका***
-
- ***इस पाठ के रचयिता हैं –***
- ***तुलसीदास केशवदास सूरदास हरिदास***

उपरोक्त प्रश्नों को हल करें ताकि हर पाठ पर आपकी पकड़ मजबूत हो ।

शेष कल ....